



## भालिया गेहूँ (Bhalia Wheat)

[sanskritiias.com/hindi/pt-cards/bhalia-wheat](https://sanskritiias.com/hindi/pt-cards/bhalia-wheat)

- गेहूँ के निर्यात को बढ़ावा देने के लिये भौगोलिक संकेतक प्राप्त भालिया किस्म के गेहूँ की पहली खेप गुजरात से केन्या तथा श्रीलंका को निर्यात की गई है। **भालिया गेहूँ को जुलाई 2011 में जी.आई. प्रमाणन प्राप्त** हुआ था। इस प्रमाणीकरण का पंजीकृत प्रोपराइटर 'आणंद कृषि विश्वविद्यालय' गुजरात है।
- भालिया गेहूँ में **प्रोटीन एवं ग्लूटेन की मात्रा अधिक होती है तथा यह स्वाद में मीठा** होता है। यह फसल अधिकतर गुजरात के भाल क्षेत्र में उगाई जाती है, जिसमें अहमदाबाद, आणंद, खेड़ा, भावनगर, सुरेंद्रनगर तथा भरुच ज़िले शामिल हैं।
- भालिया गेहूँ की अनूठी विशेषता यह है कि **इसे मिट्टी में संरक्षित नमी की मदद से वर्षा आधारित ज़मीन में सिंचाई के बिना उगाया जाता** है। गुजरात की लगभग दो लाख हेक्टेयर कृषि भूमि में इसकी खेती की जाती है। स्थानीय भाषा में इसे '**दौदखानी**' के नाम से जाना जाता है।
- इस पहल के माध्यम से भारत से गेहूँ के निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। विदित है कि वित्त वर्ष 2020-21 में भारत से 4034 करोड़ रुपए मूल्य के गेहूँ का निर्यात किया गया है, जो वित्त वर्ष 2019-20 की तुलना में 808 फीसदी अधिक है। भारत ने वर्ष 2020-21 के दौरान 7 नए देशों को पर्याप्त मात्रा में अनाज का निर्यात किया, जिनमें यमन, इंडोनेशिया, भूटान, फिलीपींस, ईरान, कंबोडिया तथा म्यांमार शामिल हैं।

IAS / PCS

## Online Video Course

सामान्य अध्ययन  
+  
वैकल्पिक विषय  
(इतिहास एवं भूगोल)



**15%** Discount for  
Next 500 Students

IAS / PCS

## Pendrive Course

सामान्य अध्ययन  
+  
वैकल्पिक विषय  
(इतिहास एवं भूगोल)



**15%** Discount for Next  
500 Students